ગુજરાત શૈક્ષણિક સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ, ગાંધીનગરના પત્ર-ક્રમાંક
જીસીઈઆરટી/અભ્યાસક્રમ/2012/958-59/, તા. 25-1-2012 થી–મંજૂર

शिक्षक एवं अभिभावक के लिए
अलग से शिक्षक-आवृत्ति
का निमार्ण किया गया है,
उसका आवश्य उपयोग कीजिए ।

हिन्दी

(द्वितीय भाषा)

कक्षा 7

(प्रथम सत्र)

प्रतिज्ञापत्र

भारत मेरा देश है।
सभी भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृद्धि तथा बहुविध परम्परा पर गर्व है।
मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयत्न करता रहूँगा।
मैं अपने माता-पिता, अध्यापकों और सभी बड़ों की इज्जत करूँगा एवं हरएक से नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश और देशवासियों के प्रति एकनिष्ठ रहूँगा।
उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

कीमत : ₹

નિર્માણ
ગુજરાત શૈક્ષણિક
સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ
ગાંધીનગર

મુદ્રણ
ગુજરાત રાજ્ય શાળા
પાઠ્યપુસ્તક મંડળ
ગાંધીનગર

गुजरात शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गांधीनगर
इस पाठ्यपुस्तक के सर्वाधिकार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के अधीन हैं।
इस पाठ्यपुस्तक का कोई भी अंश किसी भी रूप में गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के निदेशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

निर्माण-संयोजन
डॉ. टी. एस. जोषी
हरेश चौधरी
इकबाल वोरा
चंद्रेश पाल्लीआ

कन्वीनर
प्रकाश सोनी

सह-कन्वीनर
डॉ. जे. बी. जोशी
डॉ. सुमनबहन पंड्या
डॉ. राजेश मुलवाणी

लेखन-संपादन
डॉ. संजय तलसाणिया
रेवाभाई प्रजापति
नुरोद्दीन शाह
रमेश परमार
मीनाबहन कापडी
मंगलभाई गोहिल
गोविंदभाई रोहित
असलमशा फकीर
झनुभाई संगाड़ा
पारुल पंड्या
अश्विन पटेल
सुभाष पटेल
हितेश नायक
दीक्षिता ठक्कर
डॉ. भगवानभाई पटेल
नीलेश वाघेला
घनश्यामसिंह महिडा
रमणभाई परमार
इन्दुबहन कलसलिया
पारुल भावसार

समीक्षा
डॉ. रवीन्द्र अंधारिया
महेशभाई उपाध्याय
केशा तिवारी

चित्रांकन
भरत अग्रावत
जे. बी. पटेल
अंकर सूचक
हितेष पटेल
विजय पटेल

टाइटल डिजाइन
धर्मेश चावडा

मुद्रण-आयोजन
श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक : उत्पादन)

प्रस्तावना

RTE-2009 और NCF-2005 के दस्तावेज को मद्देनज़र रखकर पूरे देश में प्राथमिक शिक्षा की पाठ्यचर्या (Curriculum), पाठ्यक्रम (Syllabus), पाठ्यपुस्तकें और शिक्षा प्रक्रिया में बदलाव का कार्य हो रहा है। यह बदलाव मुख्यत: विषयवस्तु और शिक्षा प्रक्रिया की हमारी समझ के बारे में है। बच्चों में सृजनशीलता, विचारशक्ति, तर्कशक्ति और पृथककरण करने की क्षमता (कौशल) विकसित हो यही नए पाठ्यक्रम के मुख्यत: उद्देश्य है। इन पाठ्यपुस्तको में दी गई गतिविधियाँ (Activities) इस तरह प्रयोजित की गई है कि गतिविधि कर लेने के बाद उस पर चर्चा या चिंतन हो सके, व्यावहारिक उपयोजन हो सके और बच्चें क्या-क्या सीखें यह भी सुनिश्चित कर सके।

बच्चों को बारबार व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से छोटे-बडे समूह में काम करने का और पढ़ने का अवसर प्राप्त हो और अध्ययन प्रक्रिया में मददरूप बन सके ऐसी पाठ्यपुस्तकें रचने की कोशिश की गई है। फिर भी नए पाठ्यक्रम मुताबिक पाठ्यपुस्तक भी एक अध्ययन सामग्री है, लक्ष्य नहीं। पाठ्यपुस्तक एक साधन है, साध्य नहीं। इसलिए सिर्फ पाठ्यपुस्तक पूरी शिक्षा प्रक्रिया का एकमात्र साधन नहीं बन सकता। शिक्षा के ऐसे कई साधनों का प्रयोग करके हमें साध्य तक पहुँचना है। फिर भी हम ऐसा जरूर कह सकते है कि गतिविधिलक्षी शिक्षा का यह रूप शायद पहलीबार प्रयोग में आ रहा है। आशा रखते है कि पाठ्यपुस्तकों के उपयोग के जरिए अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया सरल और रूचिपूर्ण बनेगी।

नई पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तुकों के निर्माण की पूरी प्रक्रिया में माननीय अग्र सचिवश्री और प्राथमिक शिक्षण सचिवश्री की ओर से लगातार प्रेरणा और प्रोत्साहन मिल रहा है।

इस परी प्रक्रिया में IGNUS-erg की टीम के सदस्यों ने भी लगातार मार्गदर्शन देते हुए स्टेट रिसोर्स ग्रूप के सदस्यों को समृद्ध किया है। नई पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की पूरी प्रक्रिया में UNICEF का सहयोग सराहनीय रहा है। अलग- अलग विषय के कोर ग्रूप के सदस्योंने भी जब जरूरत पडी तब सहयोग दिया है।

एक साल की आज़माईश के बाद पूरे राज्य के लिए तैयार हुई कक्षा 6 से 8 तक की पाठ्यपुस्तको को कमी रहित बनाने का प्रयत्न किया गया है। फिर भी कोई कमी रह गई हो तो कृपया ध्यान दिलाए। शुभेच्छा के साथ।

एम. टी. शाह
निदेशक
जी.सी.ई.आर.टी.
गांधीनगर

एच. के. पटेल GAS
निदेशक
गु.रा.शा.पा.मंडल
गांधीनगर

प्रथम संस्करण : 2011-12, द्वितीय संस्करण : 2012-13

प्रकाशक : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर की ओर से एच. के. पटेल, निदेशक

मुद्रक :

मूलभूत कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –*

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।

*भारत का संविधान : अनुच्छेद 51–क

अनुक्रमणिका

क्रम	इकाई	साहित्य स्वरूप	पृष्ठ क्रम
1.	चित्र के संग-संग (चित्रपाठ)	—	01
2.	तब याद तुम्हारी आती है !	कविता	04
3.	कुत्ते की वफ़ादारी	कहानी	09
4.	कथनी और करनी	निबंध	19
■	पुनरावर्तन 1	—	28
5.	हिन्द देश के निवासी	कविता	29
6.	डॉ. विक्रम साराभाई	जीवनी	34
7.	ढूँढ़ते रह जाओगे	पहेलियाँ	39
8.	दोहा अष्टक	दोहे	43
■	पुनरावर्तन २	—	48
■	कसौटियाँ	—	49